जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

क्रमांक : जीवि/परीक्षा–2/गोप./2014/353 दिनांक : 28/04/2014

प्रति,

प्राचार्य/प्राचार्या/वरिष्ठ केन्द्राध्यक्ष,
समसत सम्बद्ध महाविद्यालय,
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

विषय : स्नातक– षष्ठ्म सेमेस्टर परीक्षा अप्रेल–मई –2014 में चार विषय से अधिक ए0टी0के0टी0 प्राप्त छात्र जो प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर (ए0ट0के0टी0–एकल प्रश्न पत्र प्रणाली) परीक्षा दिसम्बर 2013 में सम्मिलित हुये है। लेकिन परीक्षा परिणाम घोषित न होने के कारण ऐसे छात्रों को अण्डरटेकिंग के आधार पर परीक्षा में सम्मिलित किये जाने बावत्।

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि आपके परीक्षा केन्द्र पर स्नातक षष्ठ्म सेमेस्टर परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए ऐसा छात्र उपस्थित होता है। जिसने चार विषय से अधिक ए0टी0के0टी0 होने के कारण षष्ठ्म सेमेस्टर परीक्षा का आवदेन पत्र प्रस्तुत नहीं किया है।

यदि ऐसे छात्र के द्वारा स्नातक प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर (ए0ट0के0टी0–एकल प्रश्न पत्र प्रणाली) परीक्षा दिसम्बर 2013 में सम्मिलित होने का प्रमाण (चालान फार्म) प्रस्तुत करने पर उसे अंडरटेकिंग के आधार पर प्रथम 02 (दो) प्रशन पत्रों में सम्मिलित कराया जाये।

यदि छात्र द्वारा इस बीच विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित होने की इंटरनेट की अंकसूची प्रस्तुत की जाती है। और उसके आधार पर उसकी कुल विषयों में ए0टी0के0टी0 चार विषय तक रह जाती है। तो ऐसे छात्रों को सम्पूर्ण परीक्षा के प्रश्न–पत्रों में सम्मिलित कराकर उनका परीक्षा आवेदन पत्र भरवाकर विश्वविद्यालय की बेवसाईट पर परीक्षा समाप्ति तक अपलोड कराया जाये।

यह सुनिश्चित किया जाये की कोई भी पात्र छात्र परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित न रहे।

परीक्षा अत्यावश्यक कार्य में अपका सहयोग अपेक्षित है।

परीक्षा नियंत्रक,

क्रमांक : जीवि/परीक्षा–2/गोप./2014/353(अ) दिनांक : 28/04/2014

प्रतिलिपिः–

1. अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, ग्वालियर–चंबल संभाग, मोतीमहल परिसर, ग्वालियर की ओर सूचनार्थ।
2. उप/सहायक कुलसचिव (गोपनीय/परीक्षा), जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर
3. अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर
4. कुलपति के सचिव, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर
5. कुलसचिव के गोपनीय/निजी सहायक, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर
6. विश्वविद्यालयीन वेबसाइट पर अपलोड किये जाने हेतु।

उप/सहायक–कुलसचिव (परीक्षा)